भजन

तर्ज–तेरे मस्त मस्त दो नैन

डूबे हुए थे इश्क में पिया के, न समझे ये राज पिया के
मेरे पिया के मीठे बैन, रूहों को दे रहे चैन

1–अर्श में तन दिल अर्श में पिया,समझा ये भेद अब समझा है पिया
खेल दिल के और नजर से,सुख अपने दिल का दिखाया है पिया

2– निसवत पिया मेरे तुमने बताई,तब रूहें जानी मूल सगाई
मूल की बातें मूल तन जानें,पिया के इलम से दिल पहचाने
तन हैं पिया हम तन हैं तुम्हारे,चरणों में हम पिया बैठे तुम्हारे

3– मेहर तुम्हारी जिस पर होए,सब सुख तुमरे वो रूह पाए
जो रूह जागे होए हुकम सो,और इल्म पिया तन हैं तुम्हारे
अंग अंगना के भी हाथ तुम्हारे

4– फरामोशी में लज्जत दिखाई,गुझ बात दिल की सारी बताई
रहता दिल में पिया ये तुम्हारे,लाड लडाऊं रूहों को मैं सारे
लाड पिया हमने देखा तुम्हारा,प्यारा पिउ हमें प्राणों से प्यारा

5– इश्क ईमान इलम तुम्हारा,दिल में रूहों के किया उजियारा
दुनी क्या जाने इस न्यामत को,इनके दिल में है अंधियारा
ये दौलत है पिया जी तुम्हारी,समझ गई पिया रूहें तुम्हारी